8. भाषा की उत्पत्ति के दैवी सिद्धान्त को संक्षेप में समझाइए।

9. यास्क की निर्वचन पद्धति पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. नासदीय सूक्त के आधार पर सृष्टि के विवेचन की समीक्षा कीजिए।

11. वेदाङ्ग किसे कहते हैं ? वेदाङ्गों के महत्व का विवेचन कीजिए।

12. भाषा की प्रकृति एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

13. लिपि किसे कहते हैं ? खरोष्ठी लिपि का विवेचन कीजिए।

MASA–01

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान)

Paper : MASA-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) गोपथ ब्राह्मण किस वेद से सम्बद्ध है ?

   (ii) रुद्र सूक्त के ऋषि कौन हैं ?

   (iii) आभ्यन्तर प्रयत्नों के नाम लिखिए।

(iv) अस्यवामीय सूक्त में कुल कितने मंत्र हैं ?

(v) अग्नि पद का निर्वचन लिखिए।

(vi) निघण्टु किसे कहते हैं ?

(vii) संवृत्त स्वर किसे कहते हैं ?

(viii) कण्ठतालु से उच्चारित वर्णों के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ एवं अन्वय सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

(अ) यः सुन्वते पचते दुध्र आ चिद्, वाजं ददर्षि स किलासि सत्यः।

वयं त इन्द्र विश्वह प्रियासः, सुवीरासो विदथमा वदेम॥

अथवा

(ब) अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।

तां मां देवा व्यदधुः पुरुत्रा भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम्॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र की सान्वय व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

(अ) तस्माद्विराळजायत विराजो अधि पुरुषः।

स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः॥

अथवा

(ब) यं क्रन्दसी अवसा तस्तभाने अभ्यैक्षेतां मनसा रेजमाने।

यत्राधि सूर उदितो विभाति कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

4. अक्ष सूक्त के आधार पर जुए के दोषों का विवेचन कीजिए।

5. वरुण सूक्त के आधार पर वरुण देवता की विशेषताओं को लिखिए।

6. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों का निरुक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए :

(i) सीमा

(ii) सुवीराः

(iii) अध्वर्यु

(iv) पर्वतः

7. रुद्र देवता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।